Roll No. _____

Code : 112015-302-A

Please check that this question paper contains **13** questions and **7** printed pages.

कक्षा–ग्यारहवीं

विषय–हिंदी (केंद्रिक)

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक: 90 +10**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र के तीन खंड हैं–क, ख और ग।

(ii) तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आज हम वैज्ञानिक युग में रह रहे हैं। विज्ञान के आविष्कारों ने मानव को अवकाश का बहुत समय प्रदान कर दिया है। अवकाश की जीवन में बहुत आवश्यकता भी है, क्योंकि अवकाश मनुष्य को विश्राम देता है। थका हुआ व्यक्ति अवकाश का आनंद लेकर अपने जीवन में नई स्फूर्ति और नवीन चेतना महसूस करता है परंतु अवकाश के समय का दुरुपयोग भी हो सकता है। अवकाश के समय में अपने शौक और रुचि के अनुसार जब हम कोई काम करते हैं तो अवकाश का सदुपयोग होता है। अवकाश के पूरे समय में केवल विश्राम करना उचित नहीं है, क्योंकि वह विश्राम मनुष्य को सुस्त और निठल्ला बना देगा। अवकाश के समय को व्यतीत करने के लिए कोई न कोई चाव अथवा शौक होना अत्यंत आवश्यक है। चाव अथवा शौक समय बिताने का साधन होने के साथ-साथ मनोरंजन का साधन भी होता है। यह एक सुखद अनुभव होता है और अवकाश को उपयोगी व्यावहारिकता प्राप्त होती है। चाव के ये काम किसी लाभ के लिए नहीं होते। ये तो आमोद-प्रमोद तथा आनंद के साधन हैं।

(क) वैज्ञानिक आविष्कारों ने किस प्रकार मनुष्य को अवकाश दिया है? 2

(ख) अवकाश की हमारे जीवन में क्या आवश्यकता है? 2

(ग) अवकाश के समय का सदुपयोग और दुरुपयोग ये दोनों कैसे हो सकते हैं? 2

(घ) अपने किसी एक शौक के बारे में लिखिए जो आपको नई ताज़गी देता हो। 1

(ङ) 'नवीन' शब्द का विलोम लिखिए। 1

(च) 'इक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए। 1

(छ) चाव अथवा शौक समय बिताने का साधन होने के साथ-साथ मनोरंजन का साधन भी होता है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

तू क्यों पीछे छूटा
कितना आगे बढ़ गई दुनिया
कहाँ गया तेरा हिस्सा
तेरी धरती तेरा आसमाँ
खेतों में तू अहर्निश पिसता;

लहू पिलाकर सोना उगाता
बिन अनाज दुनिया तड़पती
फिर भी तेरी दिहाड़ी मरती
मज़दूर अगर तू न होता
कैसे सेठ कार में घूमता
तेरे बल पर ही तो
पैसे वाला इतराता;

तेरी कीमत तू ही न जाने
तू धनवानों का धनवान
क्यों तू बेबस लाचार
बजा बिगुल उठा औजार
लाचारी की बात न करना
मेहनत का पैसा वसूलना;

जब तक तू न चिल्लाएगा
तेरा हिस्सा वो खाएगा
क्रांति की बात अब करना
इतने पर ही बस न करना
देना ही होगा तेरा हिस्सा
शोषण का मिटाना है किस्सा
मिलजुल कर एक हो जाओ
हक में अपने आवाज उठाओ।

(क) कवि किससे अपने हक के लिए लड़ने की बात कर रहा है? 1

(ख) प्रशासन और समाज की भूमिका पर कवि ने प्रश्नचिह्न क्यों लगाया है? 1

(ग) ''जब तक तू न चिल्लाएगा
तेरा हिस्सा वो खाएगा''

उपर्युक्त पंक्तियों द्वारा कवि ने किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत किया है? 1

(घ) किसी भी समस्या के समाधान का मूलमंत्र कविता के आधार पर लिखिए। 1

(ङ) इस कविता का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

खंड-ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 10

(क) परिश्रम का कोई विकल्प नहीं

(ख) देश के प्रति युवाओं का कर्तव्य

(ग) क्या खाएँ, कैसे खाएँ और कब खाएँ?

(घ) प्रकृति का अभिशाप: बाढ़

4. आपके शहर में परिवहन व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इस समस्या के समाधान हेतु परिवहन निगम के महाप्रबंधक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

मँहगाई के विरुद्ध जनमत तैयार करने के लिए संपादक को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए–

(क) सीधा प्रसारण किसे कहते हैं? 1

(ख) 'स्टिंग ऑपरेशन' से क्या तात्पर्य है? 1

(ग) लीनियर पद्धति से आप क्या समझते हैं? 1

(घ) बैठक में लिए गए निर्णय सर्वसामान्य तक कैसे पहुँचते हैं? 1

(ङ) 'फ्लैशबैक' और 'फ्लैशफॉरवर्ड' तकनीक से क्या तात्पर्य है? 1

6. ''शालीनता के दायरे में रहकर भी फैशन किया जा सकता है।'' विषय पर 150 शब्दों में फीचर लिखिए। 5

अथवा

'स्वच्छ भारत अभियान में मेरा योगदान' विषय पर 150 शब्दों में फीचर लिखिए।

खंड-ग

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

अपनी बस्तियों को
नंगी होने से
शहर की आबो-हवा से बचाएँ उसे

बचाएँ डूबने से
पूरी की पूरी बस्ती को
हड़िया में

अपने चेहरे पर
सन्थाल परगना की माटी का रंग
भाषा में झारखंडीपन।

(क) पहली तीन पंक्तियों में कवयित्री ने किन दो समस्याओं को व्यक्त किया है? 2

(ख) हड़िया में डूबने से क्या तात्पर्य है? 2

(ग) संथाली समाज के अस्तित्व की रक्षा के लिए वे कौन से तत्त्व हैं जिन्हें बचाना आवश्यक है? 2

(घ) कवि और कविता का नाम लिखिए। 2

अथवा

खैर, पैर की जूती, जोरू
न सही एक, दूसरी आती,
पर जवान लड़के की सुध कर
साँप लोटते, फटती छाती।

पिछले सुख की स्मृति आँखों में
क्षण भर एक चमक है लाती,
तुरत शून्य में गड़ वह चितवन
तीखी नोक सदृश बन जाती।

(क) प्रथम पंक्ति के आधार पर नारी की सामाजिक स्थिति स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) ''पिछले सुख की स्मृति आँखों में क्षणभर एक चमक है लाती।''?
इसमें किसान के किन पिछले सुखों की ओर संकेत किया गया है? 2

(ग) किसान के मन में सर्वाधिक दुख किसका है और क्यों? 2

(घ) कवि और कविता का नाम लिखिए। 2

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

अंसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम-बेलि बोयी
अब त बेलि फैलि गयी, आणंद-फल होयी
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी
दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का भाव-सौन्दर्य लिखिए। 3

(ख) उपर्युक्त काव्यांश का शिल्प-सौन्दर्य लिखिए। 3

अथवा

हे भूख! मत मचल
प्यास, तड़प मत
हे नींद! मत सता
क्रोध, मचा मत उथल-पुथल
हे मोह! पाश अपने ढील
लोभ, मत ललचा
हे मद! मत कर मदहोश
ईर्ष्या, जला मत
ओ चराचर! मत चूक अवसर
आई हूँ संदेश लेकर चन्नमल्लिकार्जुन का।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का भाव-सौन्दर्य लिखिए। 3

(ख) उपर्युक्त काव्यांश का शिल्प-सौन्दर्य लिखिए। 3

9. पाठ्यपुस्तक के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कबीर के अनुसार ईश्वर का स्वरूप क्या है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) ''हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर'' वचन में ईश्वर से क्या कामना की गई है और क्यों? 2

(ग) ''कैसी मधुर मनोहर उज्ज्वल है यह प्रेम कहानी।
जी में है अक्षर बन इसके बनूँ विश्व की बानी।''
उपर्युक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

इस बार मास्टर त्रिलोक सिंह ने उसके लाए हुए बेंत का उपयोग करने की बजाय ज़बान की चाबुक लगा दी थी, ''तेरे दिमाग में तो लोहा भरा है रे! विद्या का ताप कहाँ लगेगा इसमें?'' अपने थैले से पाँच छह दराँतियाँ निकालकर उन्होंने धनराम को धार लगा लाने के लिए पकड़ा दी थीं। किताबों की विद्या का ताप लगाने की सामर्थ्य धनराम के पिता की नहीं थी। धनराम हाथ-पैर चलाने लायक हुआ ही था कि बाप ने उसे धौंकनी फूँकने या सान लगाने के कामों में उलझाना शुरू कर दिया और फिर धीरे-धीरे हथौड़े से लेकर घन चलाने की विद्या सिखाने लगा। फ़र्क इतना ही था कि जहाँ मास्टर त्रिलोक सिंह उसे अपनी पसन्द का बेंत चुनने की छूट देते थे वहाँ गंगाराम इसका चुनाव स्वयं करते थे और ज़रा-सी गलती होने पर छड़, बेंत, हत्था जो भी हाथ लग जाता उसी से अपना प्रसाद दे देते।

(क) मास्टर त्रिलोक सिंह जैसे अध्यापक छात्रों के विकास में बड़ा रोड़ा हैं, कैसे? 2

(ख) धनराम के प्रति उसके पिता गंगाराम के व्यवहार को आप कहाँ तक उचित मानते हैं? 2

(ग) ज़बान की चाबुक चलाने से क्या तात्पर्य है? 2

अथवा

माई लॉर्ड, एक बार अपने कामों की ओर ध्यान दीजिए। आप किस काम को आए थे और क्या कर चले। शासक-प्रजा के प्रति कुछ तो कर्तव्य होता है, यह बात आप निश्चित मानते होंगे। सो कृपा करके बताइए, क्या कर्तव्य आप इस देश की प्रजा के साथ पालन कर चले! क्या आँख बंद करके मनमाने हुक्म चलाना और किसी की कुछ न सुनने का नाम ही शासन है? क्या प्रजा की बात पर कभी कान न देना और उसको दबाकर उसकी मर्जी के विरुद्ध जिद्द से सब काम किए चले जाना ही शासन कहलाता है? एक काम तो ऐसा बतलाइए, जिसमें आपने जिद्द छोड़कर प्रजा की बात पर ध्यान दिया हो। कैसर और ज़ार भी घेरने-घोटने से प्रजा की बात सुन लेते थे पर आप एक मौका तो बताइए, जिसमें किसी अनुरोध या प्रार्थना सुनने के लिए प्रजा के लोगों को आपने अपने निकट फटकने दिया हो और उनकी बात सुनी हो।

(क) शासक का अपनी प्रजा के प्रति क्या कर्तव्य होना चाहिए? 2

(ख) लार्ड कर्जन की तुलना किससे की गई है और क्यों? 2

(ग) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए– 3×3=9

(क) सत्यजित राय फ़िल्म को एक कलामाध्यम के रूप में देखते हैं, व्यावसायिक-माध्यम के रूप में नहीं। 'अपू के साथ ढाई साल' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ख) मियाँ नसीरुद्दीन तीसरी पीढ़ी के हैं जिसने अपने खानदानी व्यवसाय को अपनाया। वर्तमान समय में प्राय: लोग अपने पारंपरिक व्यवसाय को नहीं अपना रहे हैं। इसके क्या कारण हैं?

(ग) 'जामुन का पेड़' कहानी में हास्य के साथ-साथ करुणा की भी अंतर्धारा है। इसके पक्ष में तर्क दीजिए।

(घ) वर्षा यहाँ एक घटना है, एक सुखद संयोग है–लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

12. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सच बात तो यह है कि हमारे शास्त्रीय गायक बड़ी आत्मसंतुष्ट वृत्ति के हैं। संगीत के क्षेत्र में उन्होंने अपनी हुकुमशाही स्थापित कर रखी है। शास्त्र-शुद्धता के कर्मकांड को उन्होंने आवश्यकता से अधिक महत्त्व दे रखा है। मगर चित्रपट संगीत द्वारा लोगों की अभिजात्य संगीत से जान-पहचान होने लगी है। उनकी चिकित्सक और चौकस वृत्ति अब बढ़ती जा रही है। केवल शास्त्र-शुद्ध और नीरस गाना उन्हें नहीं चाहिए, उन्हें तो सुरीला और भावपूर्ण गाना चाहिए। और यह क्रांति चित्रपट संगीत ही लाया है। चित्रपट संगीत समाज की संगीत विषयक अभिरुचि में प्रभावशाली मोड़ लाया है। चित्रपट संगीत की लचकदारी उसका एक और सामर्थ्य है, ऐसा मुझे लगता है। उस संगीत की मान्यताएँ, मर्यादाएँ, झंझटें सब कुछ निराली हैं। चित्रपट संगीत का तंत्र ही अलग है। यहाँ नवनिर्मित की बहुत गुंजाइश है। जैसा शास्त्रीय रागदारी का चित्रपट संगीत दिग्दर्शकों ने उपयोग किया, उसी प्रकार राजस्थानी, पंजाबी, बंगाली प्रदेश के लोकगीतों के भंडार को भी उन्होंने खूब लूटा है।

(क) संगीत के विकास को गति देने के लिए आप किन मूल्यों को आवश्यक मानते हैं? 3

(ख) चित्रपट संगीत की क्रान्ति ने जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया है? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 5+5

(क) संगीत साम्राज्ञी लता मंगेशकर की लोकप्रियता का मुख्य मर्म क्या है?

(ख) कुंई बनाने की विशिष्ट कला को समझाते हुए बताइए कि कुंई बनाते समय कौन-कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

(ग) संघर्षशील बेबी हालदार दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कैसे?